NAAC ACCREDIATED
GRADE- 'A'

ज्ञान दर्शन

समाचार बुलेटिन

जनवरी 2015 से अप्रैल 2015 तक

(केवल ज्ञान परिवार में वितरण के लिए)

ज्ञान महाविद्यालय

आगरा रोड, अलीगढ़ (उ.प्र.)

E-mail: gyanmv@gmail.com
Mobile: +91 9219419405
Website: www.gyanmahavidhyalaya.com

1. कालिज में IGNOU की इंडक्शन मीटिंग 1

2. अतिथि व्याख्यान :
- बी. एड. विभाग में अतिथि व्याख्यान 2
- हिन्दी विभाग, वनस्पति विज्ञान विभाग, अंग्रेजी विभाग व जन्तु विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान 2
- गणित विभाग, बी. एड. विभाग, भौतिक विज्ञान विभाग व वाणिज्य संकाय में अतिथि व्याख्यान 4
- मनोविज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान 5

3. औद्योगिक शैक्षिक भ्रमण का आयोजन 5

4. विभागीय सामान्य गतिविधियाँ :
- बी.एड. विभाग में द्वितीय सत्रीय परीक्षा 5
- निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन 5
- सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन 6
- कला संकाय में विद्यार्थियों का मिलन समारोह 6
- बी.एड. विद्यार्थियों हेतु स्काउट–गाइड शिविर 6

5. राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम :
- एक दिवसीय चतुर्थ शिविर का आयोजन 7
- कार्यक्रम अधिकारी द्वारा चण्डीगढ़ में कार्यशाला 8
- बेटियों से ही बचेगा पर्यावरण 8
- गोरैया संरक्षण दिवस कार्यक्रम में प्रतिभाग 8
- 'अचल सरोवर' अभियान में सक्रिय सहभागिता 8

6. सामाजिक सरोकार समिति से संबंधित कार्यक्रम :
- कम्बल वितरण 9
- स्वराज्य स्वावलम्बी व स्वराज्य ज्ञान योजना 9

7. सांस्कृतिक गतिविधियाँ :
- नववर्ष के कार्यक्रम, दुर्गेगाता के गीत 10
- साहित्यिक–सांस्कृतिक कार्यक्रम 10

8. विभिन्न दिवसों का आयोजन :
- माँ सरस्वती जन्मोत्सव, गणतन्त्र दिवस समारोह 11
- कालिज का वार्षिकोत्सव 11
- मातृ भाषा दिवस का आयोजन 12

1. महाविद्यालय में IGNOU की इंडक्शन मीटिंग का आयोजन :

27 फरवरी, 2015 को महाविद्यालय के सेमीनार हाल में इग्नू के अलीगढ़ स्थित क्षेत्रीय केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ० अमित चतुर्वेदी तथा सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ० बी. पी. सिंह ने हमारे महाविद्यालय स्थित इग्नू के विशेष अध्ययन केन्द्र में सी.आई.जी., सी.टी.ई. तथा सी.ई.एस. कार्यक्रमों में नामांकित विद्यार्थी, केन्द्र के समन्वयक तथा काउंसलर्स के साथ इंडक्शन मीटिंग का आयोजन किया।

प्रारम्भिक औपचारिकता के बाद डॉ० बी.पी. सिंह ने कहा कि इग्नू केन्द्रीय मुक्त विश्व विद्यालय है तथा नामांकन की दृष्टि से विश्व का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है। जेल, विश्वविद्यालय तथा विभिन्न महाविद्यालयों में इग्नू ने अध्ययन केन्द्रों की स्थापना की है और इच्छुक सभी व्यक्तियों को दूरस्थ शिक्षा द्वारा उच्च शिक्षा देने हेतु प्रयासरत है। उन्होंने विद्यार्थियों को दी गयी पाठ्य सामग्री समझ कर पढ़ने तथा असाइनमेंट लिखने के तरीके बताये और स्पष्ट किया कि इग्नू द्वारा आयोजित परीक्षायें नकल विहीन होती हैं, उन्होंने आगे कहा कि एसाइनमेंट बहुत ही आवश्यक कम्पोनेन्ट हैं। इग्नू द्वारा विद्यार्थियों को दिये गये परिचय पत्र आदि में यदि कोई त्रुटि हो तो विद्यार्थी उसे सुधरवा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इग्नू ने अपने "रीचिंग टू अनरीच्ड" कार्यक्रम के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में भी अध्ययन केन्द्रों की स्थापना की है, कार्यक्रम विशेष की परीक्षा इग्नू के सभी केन्द्रों पर एक साथ होती है, यहाँ तक कि कर्फ्यू की स्थिति में भी परीक्षायें स्थगित नहीं होती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों के सभी प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिये।

कार्यक्रम का संयोजन हमारे महाविद्यालय स्थित IGNOU के विशेष अध्ययन केन्द्र के समन्वयक श्री रामकिशन शर्मा ने किया। महाविद्यालय के प्रबन्धक श्री मनोज यादव, प्राचार्य डॉ० वाई. के. गुप्ता, उप प्राचार्य डॉ० एस.एस. यादव एवं डॉ० रेखा शर्मा, मुख्य अनुशासन अधिकारी डॉ० ललित उपाध्याय और संबंधित प्राध्यापकगण पूरे कार्यक्रम में उपस्थित

ज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रत्येक कार्यक्रम, समारोह तथा उत्सव के श्रीगणेश हेतु विद्या की देवी माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष आमंत्रित अतिथि और गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलित किये जाते हैं। अतिथि व गणमान्य व्यक्तियों को पुष्प गुच्छ व प्रतीक चिह्न देकर उनको यथोचित सम्मान प्रदान करने की भी प्रथा है।

ज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में प्रबन्ध समिति की अध्यक्षा, सचिव, अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य, डॉ० गौतम गोयल, प्रबन्धक श्री मनोज यादव, प्राचार्य, उप प्राचार्य, मुख्य अनुशासन अधिकारी, सभी संकायों के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्ति यथा सम्भव और आवश्यकतानुसार सम्मिलित होते हैं। मीडिया संबंधी कार्यों का निर्वहन डॉ० ललित उपाध्याय द्वारा किया जाता है। कार्यक्रमों का प्रबन्धन श्री मनोज यादव के निदेशन तथा प्राचार्य एवं उप प्राचार्य के पर्यवेक्षण में किया जाता है।

Scanned by CamScanner

रहे। अन्त में प्राचार्यजी ने इग्नू के उपर्युक्त दोनों अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

2. अतिथि व्याख्यान :

➤ **बी. एड. विभाग में अतिथि व्याख्यान** : 09 जनवरी, 2015 को स्थानीय डी.एस. कॉलेज में शिक्षक शिक्षा विभाग की प्राध्यापिका डॉ० अंजना ने हमारे महाविद्यालय में 'वृहद् शिक्षण' पर अतिथि व्याख्यान दिया। अतिथि वक्ता ने अपने सारगर्भित व्याख्यान में बताया कि शिक्षण एक सामाजिक प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति दूसरों को ज्ञान, कौशल तथा अभिरूचियाँ सीखने या प्राप्त करने में सहायता करता है। सूक्ष्म शिक्षण के द्वारा शिक्षण कौशलों का एक–एक करके विकास किया जाता है, तब सभी कौशलों को एकीकृत कर विद्यालय की वास्तविक परिस्थितियों में शिक्षण कराया जाता है, उसे वृहद् शिक्षण कहते हैं। शिक्षण आसान प्रक्रिया नहीं है फिर भी कौशलो को एकीकृत कर एव अभ्यास के द्वारा अच्छे शिक्षण के गुणो को विकसित किया जाता है।

कार्यक्रम की संयोजिका सह उप प्राचार्या डॉ० रेखा शर्मा ने कहा कि शिक्षण कौशलों का उपयोग करके वृहद शिक्षण उचित रूप से किया जा सकता है और छात्र–शिक्षक अपनी शिक्षण प्रक्रिया को सुगम बना सकता है। प्रबधक श्री मनोज यादव व्याख्यान के दौरान उपस्थित रहे। अन्त में प्राचार्य डॉ० वाई० के० गुप्ता ने अतिथि वक्ता का आभार व्यक्त किया।

➤ **हिन्दी विभाग में अतिथि व्याख्यान** : 28 जनवरी, 2015 को 'कहानी, पाठ लेखन एवं प्रक्रिया' पर डॉ० प्रेम कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, डी.एस. कॉलेज, अलीगढ़ ने हमारे महाविद्यालय में अतिथि

व्याख्यान दिया। अतिशि वक्ता ने कहा कि विद्यार्थियों को प्रेरणादायी पुस्तकें अवश्य पढ़नी चाहिए क्योंकि पुस्तकों में लिखी कहानियाँ लोगों का जीवन सकारात्मक रूप में बदलने का बल रखती हैं।

उन्होंने अपनी पुस्तक 'श्रद्धा का ताज महल' में से एक कहानी 'तावीज' पढ़कर विद्यार्थियों को कहानी पठन, लेखन एव प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। अतिथिवक्ता ने वर्तमान इंटरनेट युग में पुस्तकों के पठन–पाठन में आई गिरावट पर चिंता व्यक्त करते हुए उपस्थित प्राध्यापक तथा विद्यार्थियों से कहा कि पढ़ते रहिये, एक दिन आपको लिखना आ जायेगा और आप एक अच्छे लेखक, कहानीकार व पत्रकार बन सकेंगे।

हिन्दी विभाग के प्रवक्ता डॉ० नरेन्द्र कुमार सिंह ने अतिथिवक्ता द्वारा लिखित पुस्तकों के संकलन की चर्चा कर कहानी की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। प्रबन्धक श्री मनोज यादव पूरे व्याख्यान में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ० वीना अग्रवाल ने किया। अन्त में प्राचार्य डॉ० वाई. के. गुप्ता ने अतिथिवक्ता का आधार व्यक्त किया।

➤ **वनस्पति विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान** : स्थानीय धर्मसमाज कॉलेज में वनस्पति विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर

डॉ० मुकेश कुमार भारद्वाज ने 03 फरवरी, 2015 को हमारे महाविद्यालय में "जीन क्लोनिंग की वर्तमान समय में उपयोगिता" विषय पर व्याख्यान दिया। अतिथि वक्ता ने बताया कि अनुवांशिक इंजीनियरिंग नया विषय है। डी.एन.ए. इसी विषय के अन्तर्गत है। एक ही तरह की चीज बनाने को क्लोनिंग कहते हैं। सबसे पहली जीन आधारित फसल टमाटर है, इस प्रकार की फसलों को बी.टी. टमाटर, बी.टी. कॉटन तथा बी.टी. बैगन आदि नाम से जाना जाता है। जीन की कापी करने के लिए पाँच टूल की आवश्यकता होती है। डी.एन. ए. सेगमेंट, वैक्टर, आर.इ. (सीजरर्स) लिगेस तथा होस्ट हैं। 24 घण्टे में बैक्टीरियल सेल से लाखों जीन तैयार हो जाते हैं। स्मार्ट बेबी तकनीक भी जीन पर आधारित है तथा अलजाइमर और डायबिटीज जैसे रोग जीन के कारण ही उत्पन्न हो रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मनुष्य वातावरण को अधिक हानि पहुँचा रहे हैं। अतिथि वक्ता ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिये।

उप प्राचार्य डॉ० एस. एस. यादव ने अतिथिवक्ता का आभार व्यक्त किया। व्याख्यान का संयोजन डॉ० प्रमोद कुमार ने किया।

➤ **अंग्रेजी विभाग में अतिथि व्याख्यान** : 04 फरवरी, 2015 को स्थानीय डी.एस. कॉलेज के प्राध्यापक डॉ. वी. पी. सिंह ने हमारे महाविद्यालय आकर "अंग्रेजी साहित्य में रोमाटिक कवियों का महत्व" पर व्याख्यान दिया। विद्वान वक्ता ने साहित्य और समाज पर प्रकाश डालते हुए बताया कि साहित्य व्यक्ति की भावनाओ तथा उसकी संवेदनाओं में निहित होता है। उन्होंने बताया कि साहित्य समाज का

Scanned by CamScanner

दर्पण होता है। अतिथि वक्ता ने साहित्य के सामाजिक महत्त्व और उसकी उपयोगिता की वकालत की। उन्होंने आगे कहा कि रोमांटिक युग अंग्रेजी साहित्य का सबसे सृजनात्मक समय रहा है एवं वर्डस–वर्थ, शैली और जान कीट्स का रोमांटिक युग के साहित्य में विशेष योगदान रहा है। उन्होंने इन विद्वानों के योगदान की भी चर्चा की।

अंग्रेजी के प्राध्यापक डॉ० के. पी. सिंह ने विभिन्न कवियों के दर्शन और उनकी जीवन शैली के बारे में बताया। अन्त में प्राचार्य डॉ० वाई. के. गुप्ता ने अतिथि वक्ता का आभार व्यक्त किया।

➢ **जन्तु विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान :** 06 फरवरी, 2015 को डी.एस. कॉलेज, अलीगढ़ में जन्तु विज्ञान की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ० पारुल यादव ने हमारे महाविद्यालय आकर ''बायोलुमिनीसेन्स की

वर्तमान समय में उपयोगिता'' विषय पर व्याख्यान दिया। अतिथिवक्ता ने बताया कि जुगनू से सभी परिचित है, यह स्वतः प्रकाश उत्पन्न करने वाला जीव है। प्रकाश उत्पन्न करने वाले अन्य जीव जैसे सीप, एगलरफिश, कुकी कटर शार्क, फीमेल फिट्यूरिश, शिम्पफिश, कैमोलेश फिश आदि सभी में प्रकाश पाया जाता है। ये समुद्र में सबसे गहरे क्षेत्र में भी शिकार कर सकती हैं, इनमें ल्यूसीफेरिन नाम का पदार्थ होता है जो आक्सीजन से क्रिया करके प्रकाश उत्पन्न करता है। इस प्रकाश की रेंज 400 से 700 नैनोमीटर होती है। गाँव में जुगनू को पटबीजना के नाम से जानते हैं। नई तकनीक के तहत इसका बहुत महत्व है, क्योंकि इसकी सहायता से प्रकाश वाले पेड हाईवे के किनारे लगाकर दुर्घटनाओं को कम किया जा सकता है। इस प्रकार क्रिसमस ट्री को सजाने की आवश्यकता नही पड़ेगी तथा फूड पौइजनिंग से बचा जा सकेगा। इससे गंगाजी के जल को प्रदूषण से बचाया जा सकता है तथा युद्ध में दुश्मन के ठिकानों का भी पता लगाया जा सकता है, यदि उपर्युक्त सभी में बायोलुमिनीसेन्स का प्रयोग किया जाये।

विदुषी वक्ता ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिये। व्याख्यान का संयोजन डॉ० प्रमोद कुमार ने किया। अन्त में उप प्राचार्य डॉ० एस.एस. यादव ने अतिथि वक्ता का आभार व्यक्त किया।

➢ **गणित विभाग में अतिथि व्याख्यान :** 12 फरवरी, 2015 को स्थानीय श्री वार्ष्णेय कॉलेज में गणित विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ० सतीशचन्द्र तिवारी ने महाविद्यालय में 'फण्डामेन्टल ऑफ मैथे मैटिक्स'' विषय पर व्याख्यान दिया। अतिथि वक्ता ने विद्यार्थियों को π (पाई) और θ (थीटा) के मान तथा अनुपातों के अन्तर को बारीकी से समझाया। उन्होंने कहा कि यह मान कई गणितज्ञों द्वारा पहले ही ज्ञात किये जा चुके हैं, परन्तु अभी तक विद्यार्थी भ्रमित हैं, पाई वृत्त की परिधि तथा व्यास के अनुपात के

बराबर होती है और कोण चाप तथा रेडियस के अनुपात के बराबर होता है। उन्होंने परिमेय तथा अपरिमेय संख्याओं के अन्तर को स्पष्ट किया एवं वृत्त का क्षेत्रफल निकालने के सूत्र $A=\pi R^2$ को उदाहरण देकर स्पष्ट किया।

विद्वान वक्ता ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिए। अन्त में उप प्राचार्य डॉ० एस.एस. यादव ने अतिथि वक्ता का आभार व्यक्त किया।

➢ **बी. एड. विभाग में अतिथि व्याख्यान :** 19 फरवरी, 2015 को स्थानीय धर्म समाज महाविद्यालय में शिक्षक शिक्षा विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ० मृदुला सिंह ने हमारे महाविद्यालय में आकर "Teaching Models & Programmed Instructions" विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने Teaching Models के निम्नांकित मुख्य तत्वों की विस्तार से व्याख्या की :

1. **Focus :** यह उद्देश्य की प्राप्ति के लिए है, इसमें ज्ञानात्मक, भावात्मक तथा क्रियात्मक पक्ष को सम्मिलित किया जाता है।
2. **Syntax :** इसके अन्तर्गत वक्ता ने Additional

Scanned by CamScanner

information, motivational techniques तथा Evaluatory techniques के बारे में विस्तार से बताया, साथ ही Teaching method, teaching strategy तथा Tectics के बारे में भी जानकारी दी।

3. **Social System :** इसके अन्तर्गत Autocratic, oemocratic तथा Lesisfairy के बारे में बताया गया।

4. **Support System :** इसके अन्तर्गत Additional information, motivational techniques तथा Evaluatory Techniques के बारे में वक्ता ने विस्तार से बताया। विदुषी वक्ता ने Programmed instruction के तहत रेखीय, शाखीय तथा गणितीय अनुदेशन को विस्तार से समझाया, प्रबन्धक मनोज यादव पूरे व्याख्यान में उपस्थित रहे। वक्ता ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिए।

अन्त में प्राचार्य डॉ० वाई० के० गुप्ता ने अतिथि वक्ता का आभार व्यक्त किया।

➢ **भौतिक विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान :** 23 फरवरी, 2015 को स्थानीय धर्म समाज महाविद्यालय में भौतिक विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ० जे.पी. गुप्ता ने हमारे महाविद्यालय में "परमाणु संरचना के इतिहास" विषय पर व्याख्यान दिया। विद्वान वक्ता ने कहा कि शिक्षकों को विषय विशेष के संबंध में आपस में चर्चा करनी चाहिए और विद्यार्थियों के अन्दर आत्मविश्वास पैदा करना चाहिए' परमाणु की संरचना के बारे में उन्होंने बताया कि कणादि मुनि के नाम पर कण नाम पडा। परमाणु को विभाजित नहीं किया जा सकता, परमाणु के गुण आत्मा के समान होते हैं।

वक्ता ने परमाणु को तरबूज की संज्ञा दी और बताया कि यदि नाभिक में प्रोटॉन व न्यूट्रान एक सेमी. का है तो इलैक्ट्रान एक किमी. दूरी पर चक्कर लगायेगा। उन्होने सर जे. जे. टामसन, रदर फोर्ड, नील्सबोर, सोमरफील्ड, वेक्टर एटम माडल सिद्धान्तों का बारीकी से विश्लेषण किया। इलैक्ट्रान 10^7 मीटर/सेकेण्ड की चाल से चक्कर लगाता है तथा रिलेटिविटी थ्योरी में प्रकाश की गति 10^8 होती है, जिसमें खास अन्तर नहीं है। उन्होंने परमाणु में इलैक्ट्रान के चक्रण के बारे में भी बताया। कार्यक्रम का संयोजन प्राध्यापक श्री वीरेन्द्र पाल सिंह ने किया तथा प्राचार्य डॉ० वाई० के० गुप्ता ने अतिथि वक्ता का आभार व्यक्त किया।

➢ **वाणिज्य संकाय में अतिथि व्याख्यान :** आयकर एवं बिक्रीकर के वरिष्ठ अधिवक्ता श्री मुकेश कुमार शर्मा ने 25 फरवरी, 2015 को हमारे महाविद्यालय में "Accounting principles related to income tax" विषय पर व्याख्यान दिया। विद्वान अधिवक्ता ने *PAN* कार्ड की उपयोगिता बताने के साथ-साथ *PAN* कार्ड बनवाने की प्रक्रिया पर भी प्रकाश डाला और बताया कि 18 वर्ष से कम आयु के व्यक्ति भी *PAN* कार्ड बनवा सकते हैं। वक्ता ने जोर देकर कहा कि किसी भी आर्थिक गतिविधि को सफलता पूर्वक करने के लिए लेखा (Accounts) की अच्छी जानकारी होना अतिआवश्यक है तथा लेखा संबंधी कार्य प्रतिदिन पूरा करना चाहिए। आज का काम कल पर टालने से Accounts का कार्य अच्छी तरह नहीं रखा जा सकता। उन्होंने भुगतान रसीद तथा प्राप्ति रसीद के बारे में विस्तार से बताया और "पहले लिख और बाद मे दे, भूल पड़े तो कागज से ले" का व्यावहारिक महत्व बताया।

उन्होंने बताया कि एक करोड़ से अधिक का हिसाब रखने के लिए C.A. की जरूरत होती है, साथ ही यह भी बताया कि कितनी वार्षिक बिक्री का हिसाब किस स्तर का अधिकारी देखेगा। उन्होंने विभिन्न आय स्तर के लोगों पर लगने वाले आयकर की गणना बताने के साथ-साथ आयकर बचाने के तरीके भी बताये और ब्लैकमनी तथा कैपीटल गेन एकाउण्ट के बारे में भी बताया।

व्याख्यान के प्रारम्भ में प्राध्यापक डॉ० ग्रीस कुमार गुप्ता ने अतिथि वक्ता का व्यावसायिक परिचय दिया। विभागाध्यक्ष डॉ० आर०के० कुशवाहा ने व्याख्यान का निचोड बताया। उप प्राचार्य डॉ० एस.एस. यादव ने कहा कि आय से अधिक सम्पत्ति की चर्चा के संबंध में यह व्याख्यान बहुत ही उपयोगी है। अन्त में प्राचार्य डॉ० वाई०के गुप्ता ने आधार कार्ड एवं सही एकाउण्ट्स का महत्व बताने के साथ-साथ अतिथि वक्ता का आभार व्यक्त किया।

➢ **वाणिज्य संकाय में अतिथि व्याख्यान :** 26 फरवरी, 2015 को आई.पी.एम.एस. अलीगढ के निदेशक श्रीनगेन्द्र सिंह ने हमारे महाविद्यालय में Arena of commerce (Redefining career prospect) विषय पर व्याख्यान दिया। वाणिज्य संकाय के प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों के साथ- साथ हमारे महाविद्यालय के प्रबंधन संकाय के प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों ने सभागार में उपस्थित रहकर व्याख्यान का लाभ लिया।

वक्ता ने अपने व्याख्यान मे कहा कि आधारभूत पढ़ाई के समय ही विद्यार्थी को अपने कैरियर का चुनाव करके उससे संबंधित तैयारी पूरे मनोयोग से शुरू कर देनी चाहिए। उन्होंने सी.ए., सी.एस., सिविल सर्विसेज तथा कानूनी शिक्षा के क्षेत्र में कैरियर बनाने के तरीको पर गहराई से प्रकाश डाला तथा *Knowledge is power* पर जोर

Scanned by CamScanner

दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि "लक्ष्य ऊँचा रखो और उसी के अनुरूप कठोर परिश्रम करके उसे हासिल करो" उन्होंने आगे बताया कि प्राइवेट नौकरियों, विशेषरूप से बहुराष्ट्रीय कम्पनियों में शुरू के कुछ वर्षों में वेतन तथा सुविधायें अधिक मिलती हैं, लेकिन कुल मिलाकर सरकारी नौकरी ही अच्छी रहती है। उन्होंने दुःखी होकर कहा कि आज का अधिकांश युवा बिना मेहनत किये तुरन्त सब कुछ चाहता है, इससे अराजकता बढ़ रही है। विद्वान वक्ता ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिए। वाणिज्य संकाय के प्रभारी डॉ० आर.के. कुशवाहा ने आशा व्यक्त की कि इस व्याख्यान से विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। उप प्राचार्य डॉ० एस० एस० यादव ने कहा कि व्याख्यान के दौरान उपस्थित विद्यार्थियों के व्यवहार से यह स्पष्ट है कि हमारे विद्यार्थी अपने कैरियर के प्रति सचेत हैं। प्राचार्य डॉ० वाई. के. गुप्ता ने कहा कि अन्य क्षेत्रों की तरह रोजगार के क्षेत्रों में भी तेजी से परिवर्तन हो रहा है, प्राचार्य जी ने तराजू में हुए परिवर्तनों का उदाहरण दिया तथा कहा कि अच्छे कैरियर के लिए विद्यार्थियों को अपना ज्ञान अद्यतन करना चाहिए। उन्होंने अतिथिवक्ता का आभार व्यक्त किया।

➢ **मनोविज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान** : 28 फरवरी, 2015 को स्थानीय श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय में मनोविज्ञान की असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ० (श्रीमती) अनीता मोराल ने हमारे महाविद्यालय में "दैनिक जीवन में मनोविज्ञान का उपयोग" विषय पर व्याख्यान दिया। विदुषी वक्ता ने बताया कि मनोविज्ञान केवल कक्षा में पढ़ने वाला विषय ही नहीं है बल्कि हमारे दैनिक जीवन में उपयोग आने वाली कला है। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में लक्ष्य निर्धारित करके उसे पाने के लिए लगातार प्रयास करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने अपने मन को सुप्रशिक्षित करके चीजों को सकारात्मक रूप में देखने के लिए स्वयं पर विश्वास करने पर जोर दिया और अपनी क्षमताओं को यथार्थ से कम आँकने को मना किया। उन्होंने यह भी कहा कि जो आप पर विश्वास करते हैं, उन पर आप भी विश्वास करें।

मनोविज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ० विकेशचन्द्र गुप्ता ने कार्यक्रम का

संयोजन किया। अन्त में कला संकाय प्रभारी डॉ० विवेक मिश्रा ने अतिथि वक्ता का आभार व्यक्त किया।

3. औद्योगिक शैक्षिक भ्रमण का आयोजन :

28 अप्रैल, 2015 को महाविद्यालय के बी.सी.ए. तथा बी.बी.ए. के विद्यार्थियों को एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण हेतु भारत पैट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड की सलेमपुर (हाथरस) स्थित इकाई ले जाया गया। यहाँ विद्यार्थियों ने एल.पी.जी. से संबंधित अनेक बातें सीखीं, जैसे– एल.पी.जी. कैसे बनाई जाती है? यह सिलैण्डरों में कैसे भरी जाती है? सिलैण्डर उचित कार्यशील अवस्था में है या नहीं–इसकी जाँच करना, एल.पी.जी. के कम्पोनेन्ट्स, एल.पी.जी. के भण्डारण के नये तरीके। विद्यार्थियों को एल.पी.जी. ले जाने के ट्रक भी दिखाये गये तथा सामान्य ट्रकों से इन ट्रकों की असमानता के बारे में भी विद्यार्थियों को बताया गया। विद्यार्थियों ने एल.पी.जी. से संबंधित सुरक्षात्मक उपायों का भी अवलोकन किया।

उपर्युक्त सभी बिन्दुओं पर विभाग के प्राध्यापक कु. ऋत्विजा मित्तल, कु रचना शर्मा तथा श्री अखिलेश कौशिक ने विद्यार्थियों के साथ गहन चर्चा की। ज्ञान आई.टी.आई. के निदेशक डॉ० गौतम गोयल तथा महाविद्यालय प्रबन्धन की श्रीमती रितिका गोयल ने भी भ्रमण में साथ रहकर विद्यार्थियों से उपर्युक्त चर्चा में प्रतिभाग किया।

4. विभागीय सामान्य गतिविधियाँ :

➢ **बी.एड. विभाग में द्वितीय सत्रीय परीक्षा** : बी.एड. सत्र 2014–15 के विद्यार्थियों की द्वितीय सत्रीय परीक्षा 19 दिसम्बर, 2014 से 24 दिसम्बर, 2014 तक आयोजित की गयी। प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ प्रश्न एवं लघु प्रश्नों पर आधारित था। परीक्षा प्रभारी श्रीमती सरिता याजनिक ने सदस्य श्रीमती शिवानी सारस्वत तथा सुश्री भावना सारस्वत एवं विभाग के अन्य प्रध्यापकों के सहयोग से परीक्षा का आयोजन किया। इस परीक्षा में मेधा वार्ष्णेय एवं चितरंजन ने क्रमशः 78.80% एवं 78.80% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। पुष्पेन्द्र 77.40% अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान पर रहे, जब कि अंशु 77% अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान पर रही।

➢ **निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन** : 22 जनवरी, 2015 को महाविद्यालय के सरस्वती भवन में निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों की लेखन क्षमता का विकास करना एवं लेखन के प्रति उनकी सोच को जाग्रत करना था। इस प्रतियोगिता का विषय "सरकारी योजनाओं में

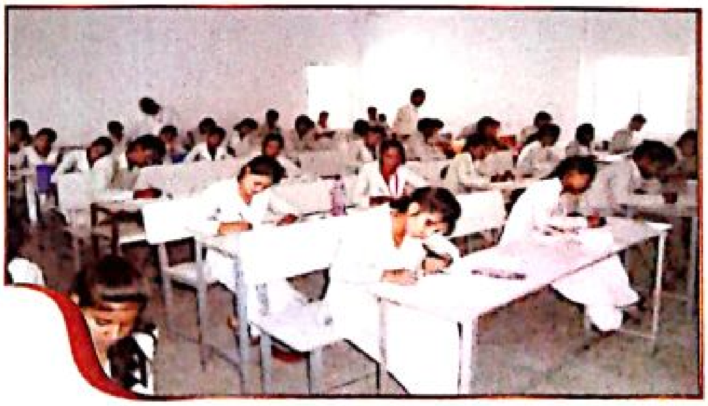

Scanned by CamScanner

बैंक खाता एवं आधार कार्ड की उपयोगिता'' था। प्रतियोगिता में हमारे महाविद्यालय के 172 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता का संयोजन वाणिज्य संकाय के प्राध्यापक डॉ० हीरेश गोयल ने सरस्वती भवन स्थित विभागों के प्राध्यापकों के सहयोग से किया।

इस प्रतियोगिता में बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष के छात्र देवेन्द्र पाल सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा अंजली कुशवाहा तथा बी.एस–सी. प्रथम वर्ष के छात्र मुहम्मद सारिक ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

➢ **सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन :** 23 जनवरी, 2015 को महाविद्यालय के बी.एस–सी. तथा बी.कॉम. के विद्यार्थियों के लिए सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 200 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। डॉ० बी.आर. अम्बेडकर वि.वि. आगरा तथा प्रदेश सरकारों द्वारा आयोजित कुछ

परीक्षाओं में O.M.R. द्वारा परीक्षा को अनिवार्य कर दिया गया है। विद्यार्थियों को O.M.R. द्वारा परीक्षा का अनुभव कराने के लिए इस प्रतियोगिता में O.M.R. का उपयोग किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन प्राचार्य डॉ० वाई. के. गुप्ता, उप प्राचार्य डॉ० एस. एस. यादव एवं कला संकाय प्रभारी डॉ० विवेक मिश्रा के संयुक्त निदेशन में किया गया।

इस प्रतियोगिता में बी.एस–सी. प्रथम वर्ष के छात्र रोहन गौतम व बी. एस–सी. द्वितीय वर्ष के छात्र गौरव कुमार ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। बी. ए. प्रथम वर्ष के छात्र शमशाद मलिक व बी. एस–सी. तृतीय वर्ष के छात्र अमित कुमार ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

➢ **कला संकाय में विद्यार्थियों का मिलन समारोह :** 11 मार्च 2015 को महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में यह आयोजन हर्षोल्लास से किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने सरस्वती भवन के सभी प्राध्यापकों का स्वागत किया। प्राध्यापकों ने भी अपनी–अपनी प्रस्तुतियाँ दी। बी.ए. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने बी.ए. तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को विदाई

दी। शिवानी चौधरी को मिस फेयरवेल तथा नरेन्द्र कुमार को मिस्टर फेयरवेल चुना गया। अन्त में उप प्राचार्य डॉ० एस.एस. यादव तथा प्राचार्य डॉ० वाई.के. गुप्ता ने विद्यार्थियों को सम्बोधित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

➢ **बी.एड. के विद्यार्थियों के लिए स्काउट–गाइड शिविर का आयोजन :** सत्र 2014–15 के बी.एड. के 200 विद्यार्थियों के लिए पाँच दिवसीय स्काउट–गाइड शिविर का आयोजन दिनांक 06.04.2015 से 10.04.2015 तक महाविद्यालय परिसर में किया गया। इस शिविर का उद्घाटन अलीगढ़ मण्डल की स्काउट–गाइड कमिश्नर श्रीमती रेखा शुक्ला ने किया। शिविर में मुख्य प्रशिक्षक की भूमिका का निर्वाह स्काउट–गाइड के जिला संगठन कमिश्नर (अलीगढ़) श्री यतेन्द्र सक्सैना ने किया। श्रीमती रेखा शुक्ला ने स्काउट–गाइड प्रशिक्षण के उद्देश्यों तथा महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि साथ मिलकर कार्य करने की भावना, सामाजिक विकास, देशभक्ति की भावना का विकास करना आदि इस प्रशिक्षण के मुख्य उद्देश्य हैं।

पहले दिन प्रशिक्षक ने विद्यार्थियों को 19 टोलियों में बाँटा। प्रत्येक टोली के लिए एक–एक नायक तथा एक–एक उप नायक का चुनाव कराया गया और चार दल नायक नियुक्त किये गये। स्काउट–गाइड की प्रतिज्ञा तथा नियमों का ज्ञान कराया गया। दूसरे दिन विद्यार्थियों को स्काउट–गाइड झण्डा रोहण, ताली, सीटी के इशारे तथा विभिन्न प्रकार की गाँठें बाँधने के बारे में समझाया गया और प्राथमिक चिकित्सा संबधी जानकारी दी गयी एवं अनेक प्रकार की पट्टी बाँधने

Scanned by CamScanner

के बारे में भी बताया गया। तीसरे दिन विद्यार्थियों को कम से कम बर्तनों का प्रयोग करके आधा घण्टे में चूल्हे पर भोजन तैयार करने के निर्देश दिए गए। सभी टोलियों ने विभिन्न प्रकार का खाना तैयार किया तथा खाने की गुणवत्ता का मूल्यांकन उप प्राचार्य डॉ० एस.एस. यादव व प्रवक्तागण डॉ० सोमवीर सिंह एवं कु० रचना शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। मूल्यांकन के परिणाम निम्नवत हैं :

रैंक	गाइड टोली का कोड	गाइड टोली का नाम	स्काउट टोली नं.
प्रथम स्थान	*Gp-5*	मदरटरेसा	*sp-7*
द्वितीय स्थान	*Gp-10*	नारी शक्ति	*sp-4*
तृतीय स्थान	*Gp-7&9*	इंदिरा गांधी व कल्पना चावला	*sp-3&1*

तीसरे दिन ही सहभोज के बाद कैम्प फायर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें प्रत्येक टीम ने एक–एक लघु नाटिका का मंचन किया। ये लघु नाटिकायें बाल विवाह, कन्याभ्रूण हत्या, कन्या शिक्षा, कन्या रक्षा, संयुक्त परिवार के लाभ तथा भ्रष्टाचार आदि से संबंधित थीं। लघु नाटिकाओं का मूल्यांकन वरिष्ठ प्रवक्ता श्रीमती आभाकृष्ण जौहरी, श्रीमती सरिता याजनिक, प्रवक्ता श्रीमती वैशाली अग्रवाल तथा कु० रचना शर्मा के संयुक्त दल ने किया। निर्णायक टीम के अनुसार GP-1 ने प्रथम स्थान तथा GP-3 ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

चौथे दिन टोलियों ने तम्बुओं का निर्माण किया, मध्यावकाश के बाद विद्यार्थियों ने शिव रागिनी कार्यक्रम (सामूहिक गीत, भजन, भाषण, हास्य व्यंग्य आदि) प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम का मूल्यांकन प्रवक्तागण श्री गिर्राज किशोर, कु० भावना सारस्वत, श्रीमती वैशाली अग्रवाल तथा श्रीमती शोभा सारस्वत के संयुक्त दल ने किया। परिणाम निम्नांकित है :

प्रथम स्थान	–	Gp – 4 + sp – 3
द्वितीय स्थान	–	Gp – 5 + sp – 2
तृतीय स्थान	–	Gp – 7 + sp – 10

पाँचवे दिन समापन समारोह में श्री दीपक मीणा (I.A.S. मुख्य विकास अधिकारी अलीगढ) ने मुख्य अतिथि तथा श्रीमती रेखा शुक्ला (स्काउट–गाइड कमिश्नर अलीगढ मण्डल), श्री बी. के. यादव (डिप्टी कमाण्डेन्ट आर.ए.एफ.) डॉ० धर्मेन्द्र कुमार अस्थाना (पूर्व शाखा प्रबन्धक–इण्डियन ओवरसीज बैंक अलीगढ) ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। महाविद्यालय प्रबन्धन से श्रीमती रितिका गोयल भी कार्यक्रम में उपस्थित थी। महाविद्यालय की साहित्यिक, सांस्कृतिक तथा परीक्षा समितियों द्वारा बी.एड. के अनेक विद्यार्थियों को उनके विशिष्ट योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया।

मुख्य अतिथि श्री दीपक मीणा ने कहा कि शिक्षा द्वारा व्यक्ति के सामाजिक मानसिक तथा संवेगात्मक विकास होते हैं। स्काउट हमें साथ मिलकर चलने की प्रेरणा देता है। विशिष्ट अतिथि श्री बी. के. यादव ने कहा कि सफलता का रास्ता असफलताओं से होकर गुजरता है। इसलिए असफलताओं से कभी भी घबरायें नहीं वरन् सबक लें। डॉ० धर्मेन्द्र कुमार अस्थाना जी ने कहा कि स्काउट कम सुविधाओं में खुश रहना व अनुशासित रहना सिखाता है। कार्यक्रम के अन्त में महाविद्यालय के सचिव महोदय ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। शिविर का संयोजन श्रीमती शिवानी सारस्वत ने किया।

5. राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम :

➤ **एक दिवसीय चतुर्थ शिविर का आयोजन :** 13 जनवरी, 2015 को इस शिविर का आयोजन गाँव–मंदिर का नगला (रूस्तमपुर सकत खाँ) विकास खण्ड–लोधा (अलीगढ) के प्राथमिक विद्यालय में किया गया। यूथ फॉर नेशन के डॉ० वैरिन्दम गुणाकर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिविर में भाग लिया। डॉ० गुणाकर ने स्वेच्छासेवियों से कहा कि वे स्वामी विवेकानन्द के आदर्शों पर चलकर समाज को प्रेरणा दें। स्वच्छासेवियों ने गाँव में जन चेतना

रैली निकाली। इस रैली के दौरान ग्रामीणों को सड़क सुरक्षा, पर्यावरण, स्वच्छता, महिला सशक्तीकरण, जल संरक्षण, साक्षरता तथा मानव अधिकार संबंधी जानकारी दी गयी। स्वेच्छा सेवियों ने ग्रामीणों को आधार–कार्ड बनवाने, जन धन योजना के अन्तर्गत बैंक में खाता खुलवाने तथा स्वच्छ भारत अभियान के तहत व्यक्तिगत शौचालयों का निर्माण एवं उसके प्रयोग की जानकारी दी।

हिन्दी के प्राध्यापक डॉ० नरेन्द्र कुमार सिंह ने स्वेच्छासेवियों से कहा कि वे जोश में होश न खोयें। उन्होंने कवि शैली में कहा–

"मेरे मधुवन में खिली हैं चन्द डालियाँ,
इन्हें खुशबू देकर महका जाइये,
मेरे घर की रोशनी सदियों तक न बुझे,
मेरे घर की मुडेरों पर ऐसे दीप रख जाइये।

अपने उद्बोधन में प्राचार्य डॉ० वाई० के० गुप्ता ने राष्ट्रीय एकता व सामाजिक सद्भाव की आवश्यकता पर बल दिया। उप प्राचार्य डॉ० एस एस. यादव ने सभी को यातायात के नियमों का पालन करने

Scanned by CamScanner

की सलाह दी। शिविर का संयोजन महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ० ललित उपाध्याय ने किया।

➢ **कार्यक्रम अधिकारी का चण्डीगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में प्रतिभाग :** 20 जनवरी, 2015 से 24 जनवरी, तक राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान के क्षेत्रीय केन्द्र चण्डीगढ़ में उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश तथा केन्द्रशासित प्रदेश चण्डीगढ स्थित एन.एस.एस. की इकाइयों के कार्यक्रम अधिकारियों के लिए 5 दिवरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में उपर्युक्त पाँच प्रदेशों के कुल 32 कार्यक्रम अधिकारियों ने भाग लिया। हमारे महाविद्यालय की एन. एस.एस. इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ० ललित उपाध्याय ने भी इस कार्यशाला में सक्रिय प्रति भाग किया। यहाँ यह कहना अनावश्यक न होगा कि डॉ० बी. आर० अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा से सम्बद्ध महाविद्यालयो में से केवल हमारे महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के कार्यक्रम अधिकारी ने ही उक्त कार्यशाला में प्रतिभाग किया।

कार्यशाला का उद्‌घाटन क्षेत्रीय केन्द्र चण्डीगढ के प्रभारी अधिकारी श्री स्टोन्जिन बड़ा ने किया। कार्यशाला के दौरान तीन विद्यालयों की एन.एस.एस. इकाइयों के स्वेच्छासेवियों के साथ प्रतिभागियों का व्यावहारिक अंतर–संवाद इनोवेशन सहित कराया गया। इस कार्यशाला में वर्गीस चकुमुटिल, हमेंदर पूसा, अमन प्रीत तथा जिग्मेट यागचेन ने संदर्भ व्यक्तियों के रूप में विभिन्न सत्रों में ''करके सीखो और सिखाओं'' विधियों की जानकारी दी। प्रथम दिन स्वपरिचय के साथ युवा चुनौतियाँ व टीम बिल्डिंग सत्र, द्वितीय दिन व्यावहारिक कौशल–जौहरी विन्डो, स्वयं को समझना, संचार कौशल, सक्रिय सुनना, समय प्रवन्धन तथा नान वायलेंट कम्युनिकेशन सत्र; तृतीय दिन स्ट्रैस मैनेजमेंट, टीम बिल्डिंग, निर्णय लेने का कौशल तथा समझौता कौशल सत्र; चौथे दिन तीन विद्यालयों के स्वेच्छासेवियों के साथ व्यावहारिक अंतर–संवाद सत्र व चण्डीगढ भ्रमण (रोक गार्डन, रोज गार्डन तथा सुखना लेक के साथ सांस्कृतिक संध्या) तथा पाँचवे दिन व्यवहार निर्माण, प्राकृतिक संसाधनों की देखभाल (विशेष रूप से जल संरक्षण) तथा वृक्षारोपण संबंधी सत्र

आयोजित किये गये और समापन समारोह में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिये गये।

➢ **बेटियों से ही बचेगा पर्यावरण :** 29 जनवरी, 2015 को राजकीय औद्योगिक एवं कृषि प्रदर्शनी, अलीगढ़ के कृष्णांजलि सभागार में जिला प्रशासन के सहयोग से हरीतिमा संस्था द्वारा ''बेटियों से ही बचेगा पर्यावरण'' विषयक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हमारे महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ० ललित उपाध्याय तथा 17 स्वेच्छासेवियों ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। महाविद्यालय की N.S.S. इकाई की एक स्वेच्छासेवी नीलम भास्कर ने 'बेटी' पर कविता पाठ किया। इस कार्यक्रम में श्री संजय चौहान ए.डी.एम. (प्रशासन) श्री अवधेश तिवारी, ए.डी. एम. (सिटी) श्री विवेक बंसल (पूर्व एम.एल.सी.), तथा हरीतिमा संस्था के पर्यावरणविद् श्री सुबोध नंदन शर्मा आदि उपस्थित थे।

N.S.S. की स्वेच्छासेवियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

➢ **गोरैया संरक्षण दिवस कार्यक्रम में प्रतिभाग :** 20 मार्च, 2015 को वन विभाग तथा हरीतिमा संस्था द्वारा अलीगढ़ के जवाहर पार्क में गोरैया संरक्षण दिवस का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की N.S.S. इकाई के स्वेच्छासेवियों ने इस कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। वन विभाग तथा उद्यान विभाग के अनेक अधिकारियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। स्वेच्छासेवियों ने पर्यावरण एवं जीव जन्तुओं के संरक्षण हेतु जन जागरण के कार्य करने का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि श्री अवधेश तिवारी, ए.डी.एम. (सिटी) ने कहा कि वर्तमान में गोरैया प्रजाति लुप्त होती जा रही है, इनके संरक्षण के लिए जन प्रयास आवश्यक है। अनेक पर्यावरण विशेषज्ञों ने भी अपने–अपने विचार व्यक्त किये।

➢ **दैनिक जागरण के 'अचल सरोवर–अटल धरोहर' अभियान में सक्रिय सहभागिता :** पृथ्वी दिवस 22 अप्रैल, 2015 से प्रारम्भ हुए उक्त अभियान की जन जागरूकता परिक्रमा रैली में हमारे महाविद्यालय की एन. एस. एस. इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ० ललित उपाध्याय के नेतृत्व में एन.एस.एस. के अनेक स्वेच्छासेवियों ने प्रतिभाग किया। यह अभियान 30 अप्रैल, 2015 तक

Scanned by CamScanner

जारी रहा।

श्रंखलाबद्ध कार्यक्रम में महाआरती, श्रमदान, पोस्टर पेन्टिंग, विचार मंथन गोष्ठी, सोसल मीडिया प्रबन्धन तथा स्वास्थ्य शिविर आदि कार्यक्रम आयोजित किये गये। इन कार्यक्रमों की रणनीति में हमारे महाविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। हमारे महाविद्यालय के ज्ञान ज्योति कार्यक्रम के तहत अचल सरोवर पर आयोजित महाआरती के लिए 501 दीपक, तेल तथा बतियाँ महाविद्यालय प्रबन्धन ने भेंट की। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की सामाजिक सरोकार समिति के प्रभारी डॉ० विवेक मिश्रा, डॉ० हीरेश गोयल डॉ० आर० के० कुशवाहा तथा एन.एस.एस. के अनेक स्वेच्छासेवियों ने भाग लिया। हमारे महाविद्यालय की N.S.S. इकाई के स्वेच्छासेवी बी.ए. के छात्र श्री नरेन्द्र कुमार को अचल सरोवर संरक्षण समिति का सदस्य नामित किया गया।

6. सामाजिक सरोकार समिति से संबंधित कार्यक्रम :

➢ **कम्बल वितरण** : 01 जनवरी, 2015 को महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में महाविद्यालय की सामाजिक सरोकार समिति के माध्यम से लोधा विकास खण्ड के गोद लिए गये निकटवर्ती 14 गाँवों के जरूरतमंद 70 व्यक्तियों को महाविद्यालय प्रबंधन ने एक–एक कम्बल भेंट किया। इस कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी कोल श्री पूरन सिंह राना ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। डॉ० सी०एल० सोनकर ए०सी०एम० प्रथम तथा त्वरित कार्यवाही बल की सहायक सेना नायक श्रीमती मिथिलेश कुमारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। कम्बलों का वितरण संबंधित ग्राम प्रधानों की उपस्थिति में किया गया।

सामाजिक सरोकार समिति के प्रभारी डॉ० विवेक मिश्रा ने स्वराज्य स्वावलम्बी योजना तथा स्वराज्य ज्ञान योजना के अन्तर्गत गोद लिए गये 14 गाँवो के विद्यार्थियों को महाविद्यालय द्वारा दी जा रही विशेष सुविधाओं के बारे में उपस्थित व्यक्तियों को विस्तार से बताया तथा ज्ञान ज्योति कार्यक्रम का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि स्वराज्य स्वावलम्बी योजना में अब तक 27 सिलाई मशीने उपहार में दी जा चुकी हैं तथा स्वराज्य ज्ञान योजना में इस समय 26 छात्रायें और ज्ञान आई.टी.आई. के 49 विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं।

सचिव महोदय श्री दीपक गोयल ने कहा कि निकटवर्ती सभी गाँवों के प्रधान तथा अन्य लोग भी महाविद्यालय के प्रति अपनी–अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह कर महाविद्यालय के विकास में सहयोगी बनें। मुख्य अतिथि महोदय ने सभी को नव वर्ष की शुभकामनायें दीं तथा कम्बल वितरण को पुनीत कार्य बताया। प्राचार्य डॉ० वाई. के. गुप्ता ने सभी ग्राम प्रधान तथा ग्रामीणों से अनुरोध किया कि वे महाविद्यालय में पढ़ने वाले अपने गाँव के विद्यार्थियों की प्रगति की जानकारी लेते रहें। कार्यक्रम का संचालन डॉ० ललित उपाध्याय ने किया।

➢ **स्वराज्य स्वावलम्बी योजना** : महाविद्यालय के संस्थापक डॉ० ज्ञानेन्द्र गोयल की धर्मपत्नी एवं वर्तमान सचिव श्री दीपक गोयल की माताजी स्वर्गीया श्रीमती स्वराज्य लता गोयल की स्मृति में यह योजना सामाजिक दायित्व के तहत 7 अगस्त, 2012 को शुरू की गई। इस योजना मे निकटवर्ती गाँव बढ़ौली फतेह खाँ को गोद लिया गया है। इसके अन्तर्गत ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है तथा

महाविद्यालय की पूर्व अथवा वर्तमान छात्रा की शादी के अवसर पर उसे एक सिलाई मशीन उपहार में दी जाती है। इस प्रकार अब तक 29 (उन्तीस) सिलाई मशीनें दी जा चुकी हैं। बी.ए. एवं बी.एस–सी. (Z.B.C.) में पढ़ने वाली इस गाँव की छात्राओं को उनके शिक्षण शुल्क का 50% भाग महाविद्यालय द्वारा छात्रवृत्ति के रूप में दिया जाता है।

➢ **स्वराज्य ज्ञान योजना** : महाविद्यालय द्वारा शैक्षिक सत्र 2013–14 से शुरू की गई इस योजना के अन्तर्गत लोधा विकास खण्ड के 14 गाँव गोद लिए गये हैं। इन गाँवों की बी.ए. तथा बी. एस–सी. (Z.B.C.) में हमारे महाविद्यालय में प्रवेश लेने वाली लड़कियों को शिक्षण शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट छात्रवृत्ति के रूप में दी जाती है। इस प्रकार अब तक इन गाँवों की 37 लड़कियाँ इस योजना से लाभान्वित हुयी हैं। गोद लिए 14 गाँवों से ज्ञान निजी आई. टी.आई. में प्रवेश लेने वाले लड़कों को पूरे शुल्क में रू. 4,000 (चार हजार रूपये) की छूट छात्रवृत्ति के रूप में दी जाती है। इस प्रकार कुल 49 लड़के महाविद्यालय के सहयोगी संस्थान ज्ञान निजी आई.

Scanned by CamScanner

टी.आई. में प्रवेश लेकर लाभान्वित हो चुके हैं।

7. सांस्कृतिक गतिविधियाँ :

➤ **नववर्ष के आगमन पर रंगारंग कार्यक्रम :** 01 जनवरी, 2015 को महाविद्यालय की संतोष वाटिका में मथुरा की योगेश जैन एण्ड पार्टी ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये। महाविद्यालय के प्राध्यापक तथा विद्यार्थियों ने भी मनोरंजक कार्यक्रम पेश किये। इस कार्यक्रम में ए.सी.एम. प्रथम डॉ० सी.एल. सोनकर ने मुख्य अतिथि

तथा त्वरित कार्यवाही बल की सहायक सेना नायक श्रीमती मिथिलेश कुमारी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। रंगारंग कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन उप प्राचार्या डॉ० रेखा शर्मा ने किया। अन्त में सचिव महोदय ने सभी को नव वर्ष की शुभकामनायें दीं तथा अपने महाविद्यालय में चल रहे IGNOU के कार्यक्रमों में प्रवेश संबंधी जानकारी दीं। कार्यक्रम के बाद सभी उपस्थित व्यक्तियों ने महाविद्यालय परिवार द्वारा आयोजित अल्पाहार का आनन्द लिया।

➤ **दुर्गेमाता के गीतों का आयोजन :** 24 मार्च, 2015 को ज्ञान महाविद्यालय परिसर में दुर्गे माता के गीतों का आयोजन पूरी श्रद्धा एवं भक्ति से किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में दुर्गेमाता की विधिवत् पूजा–अर्चना की गयी। महाविद्यालय के सचिव महोदय के सुपुत्र डॉ० गौतम गोयल एवं उनकी नव विवाहिता धर्म पत्नी श्रीमती रितिका गोयल ने पूरे कार्यक्रम में सक्रिय भाग लिया। महाविद्यालय तथा सहयोगी संस्थान ज्ञान आई.टी.आई. के प्राचार्य, शिक्षक तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्तियों ने माता की स्तुति में भजन गाकर माता का गुणगान किया और सभी की भलाई की दुआ माँगी, इससे पूरा वातावरण मातामय हो गया।

अलीगढ़ के अपर आयुक्त, श्री अरूण सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती रेखा सिंह ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मे भाग लिया। महाविद्यालय के सचिव श्री दीपक गोयल एवं प्रबन्धक श्री मनोज यादव ने पूरे कार्यक्रम में उपस्थित रह कर माता के भक्तों का मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम का संयोजन उप प्राचार्या डॉ० रेखा शर्मा ने किया। यह कार्यक्रम Cultural Regeneration के तहत किया गया। अन्त में सभी उपस्थित व्यक्तियों को माता का प्रसाद वितरित किया गया।

➤ **साहित्यिक–सांस्कृतिक कार्यक्रम :** 05 अप्रैल, 2015 को जन सांस्कृतिक मंच, मथुरा ने महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में इस कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास से किया। मंच के लगभग 30 पदाधिकारी तथा सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया। महाविद्यालय के शिक्षक तथा शिक्षेणेत्तर वर्ग के व्यक्ति भी सभागार में उपस्थित थे।

मंच के अध्यक्ष श्री मुरारी लाल अग्रवाल ने अपने मंच के कार्यक्रमों के बारे में बताया। महाविद्यालय के प्राचार्य डा.वाई.के. गुप्ता ने महाविद्यालय की अब तक की प्रगति से सबको अवगत कराया। मंच के सदस्य डॉ० अशोकजी ने महात्मा सूरदास के जीवन से संबंधित फिल्म ''सूर की सुगन्ध'' का परिचय दिया तथा इस फिल्म का प्रदर्शन कराया और बताया कि गोवर्धन के गाँव पारा–सौली में सूरदास जी ने अपने जीवन के 73 वर्ष बिताये तथा वहीं रहकर श्री अमृतलाल नागर ने 'खंजन नयन' उपन्यास लिखा। महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ० ललित उपाध्याय ने महाविद्यालय द्वारा संचालित स्वराज्य स्वावलम्बी योजना तथा स्वराज्य ज्ञान योजना की प्रगति का हवाला दिया।

हास्य कवि की मणि मधुकर (मूसल) श्री मामा हाथरसी तथा श्री अशोक अज्ञेय ने हास्य रस की कवितायें सुनाकर श्रोताओं का मनोरंजन किया। श्री अशोक अज्ञेय ने अपनी कविता

ऊपर भी खुदा है, नीचे भी खुदा है,
जहाँ भी देखो, वहीं खुदा है,
जहाँ नहीं खुदा है, वहाँ खुद रहा है।
सुनाकर श्रोताओं को खूब गुदगुदाया।

श्री मणि मधुकर (मूसल) ने अपनी कविता

''माँ से कर दी खटपट हमने, अलग झटकदी ताई,
बूढ़ी काकी से रहती है, अपनी रोज लड़ाई,
लेकिन हमको सबसे अच्छी, लगती अपनी साली,
सबसे बढ़िया साली, रोज बजाओ ताली।''
सुनाकर सबसे वाहवाही प्राप्त की।

मामा हाथरसी ने अपनी रचना–

त्रेता में राजा दशरथ के तीन थी रानियाँ
द्वापर में आकर बदल गई कहानियाँ,
इक्कीसवीं सदी में आते आते नियम बदल गये,
....
बच्चा होगा एक और तीन होंगे बाप।

सुनाकर श्रोताओं को हास्य रस के सरोवर में डूबने उतराने के लिए विवश कर दिया। मंच का संचालन हिन्दी के प्राध्यापक डॉ० नरेन्द्र कुमार सिंह तथा डॉ० बीना अग्रवाल ने किया। डॉ० सिंह ने स्वरचित

Scanned by CamScanner

कविता भी सुनाई। कार्यक्रम का समापन महाविद्यालय के सचिव श्री दीपक गोयल के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। अंत में सभी व्यक्तियों ने एक साथ भोजन किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की अध्यक्षा श्रीमती आशादेवी व प्रबन्धक श्री मनोज यादव भी उपस्थित रहे।

8. विभिन्न दिवसों का आयोजन :

➢ **माँ सरस्वती का जन्मोत्सव** : 24 जनवरी, 2015 को महाविद्यालय के सरस्वती भवन में ज्ञान की देवी माँ सरस्वती का जन्मोत्सव पूरी श्रद्धा एवं भक्ति से मनाया गया। अनेक विद्यार्थियों ने गीत–संगीत के द्वारा अपने–अपने विचार प्रस्तुत किये। डॉ० विकेश चन्द्र गुप्ता, श्रीमती शोभा सारस्वत तथा श्री पुष्पेन्द्र सिंह आदि प्राध्यापकों ने बसन्त पंचमी एवं माँ सरस्वती पर विस्तृत प्रकाश डाला। प्राचार्य डॉ० वाई.के. गुप्ता ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि माँ सरस्वती का कृपा पात्र बनने के लिए विद्यार्थियों को अपने जीवन के वर्तमान कीमती समय में मेहनत से पढाई करनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे महाविद्यालय में उपलब्ध सभी संसाधनों का सदुपयोग करें।

उप प्राचार्य डॉ० एस. एस. यादव ने विद्यार्थियों को आज के दिन का महत्व बताया और कहा कि सरस्वती माँ को प्रसन्न करने के लिए पूरे मनोयोग से अध्ययन करो, पहले अच्छे श्रोता बनो, तभी ठीक से सीख पाओगे। कार्यक्रम के अन्त में माँ सरस्वती को भोग लगाकर सभी को प्रसाद वितरित किया गया।

➢ **गणतन्त्र दिवस समारोह** : 26 जनवरी, 2015 को महाविद्यालय परिसर में गणतन्त्र दिवस समारोह का आयोजन पूरी श्रद्धा एवं हर्षोल्लास से किया गया। महाविद्यालय के प्रबंधक श्री मनोज यादव, प्राचार्य डॉ० वाई.के. गुप्ता तथा सहयोगी संस्थान ज्ञान आई.टी.आई. के प्रधानाचार्य डॉ० मुनब्बर हुसैन ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया। इस पुनीत अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्ति उपस्थित थे।

ध्वजारोहण के बाद उक्त सभी व्यक्ति महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में एकत्र हुए। बी.टी.सी. के छात्र सुनील कुमार ने अपने वक्तव्य में स्वतन्त्रता संग्राम के अमर शहीदों को श्रद्धांजली दी। बी.ए. के छात्र श्री सुखवीर सिंह ने अंग्रेजों द्वारा किये गये शोषण तथा स्वतन्त्रता संग्राम के इतिहास का जिक्र किया। प्राध्यापक श्री पुष्पेन्द्र सिंह ने कहा कि अधिकारों के साथ–साथ हमें अपने कर्तव्यों पर भी ध्यान देना चाहिए। डॉ० नरेन्द्र कुमार सिंह ने स्वरचित कविता सुनाई। डॉ० विकेश चन्द्र गुप्ता ने कहा कि हमें अपने त्योहारों की तरह की राष्ट्रीय त्योहारों को पूरे हर्षोल्लास से मनाना चाहिए। डॉ० ललित उपाध्याय ने कहा कि कठिन परिश्रम करने से आत्म विश्वास बढ़ता है। डॉ० एस० एस० यादव ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति का हमारे देश के गणतन्त्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि बनना हमारे लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि देश के विकास का अधिकांश लाभ देश की जनसंख्या के सम्पन्नतम् 10 प्रतिशत लोग ले रहे हैं, यह व्यवस्था विकास में बाधक है। बी.टी.सी. की छात्रा अर्चना तथा बी. कॉम. के छात्र अभिषेक सिंह ने देशभक्ति के गीत सुनाये। बी.टी.सी. की छात्रा परम ज्योति ने **"कुछ नशा तिरंगे की शान का है, कुछ नशा मातृभूमि की आन का है"** सुनाकर सभी को गदगद कर दिया।

डॉ० मुनब्बर हुसैन ने स्वतन्त्रता संग्राम के शहीद तथा देश की सीमाओं पर तैनात जवानों को नमन करते हुए कहा कि हम सब अपने–अपने काम को पूर्ण जिम्मेदारी से करें, यही शहीदों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धान्जली होगी। अन्त में प्राचार्य डॉ० वाई. के. गुप्ता ने शहीदों को नमन करते हुए इस बात पर जोर दिया कि हमें अव्यावहारिक पुराने कानूनों में संशोधन करना चाहिए, तथा पूरी लगन से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह करना चाहिए। कार्यक्रम के अन्त में सबको मिष्ठान्न वितरित किया गया।

➢ **महाविद्यालय का वार्षिकोत्सव** : 13 फरवरी, 2015 को हमारे महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव का आयोजन हर्षोल्लास से किया

गया। डॉ० एस.एस.वर्मा, प्राचार्य वीरांगना अवन्तीबाई राजकीय महाविद्यालय, अतरौली (अलीगढ़) तथा इसी महाविद्यालय के ऐसोसिएट, प्रोफेसर डॉ० एस.के. वार्ष्णेय इस कार्यक्रम में क्रमशः मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में देहरादून से पधारे श्री आनन्द प्रकाश गुप्ता, श्री अजय गुप्ता तथा श्रीमती मीनाक्षी गुप्ता ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम की शोभा बढाई। अतिथियों में श्री शुभम गुप्ता, पूनम यादव, कल्पना वार्ष्णेय, श्री देशराज जी तथा श्री अनीश शर्मा आदि ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम में चार चाँद लगाये। महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति की अध्यक्षा श्रीमती आशा देवी, सचिव श्री दीपक गोयल, कोषाध्यक्ष श्री असलूब अहमद तथा ज्ञान आई.टी.आई. के निदेशक डॉ० गौतम गोयल और प्रबन्धक श्री मनोज यादव पूरे कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

सरस्वती पूजन तथा सभी अतिथियों के परिचय एवं स्वागत के बाद प्राचार्य डॉ० वाई.के. गुप्ता ने महाविद्यालय की अब तक की प्रगति से सबको अवगत कराया। गत वर्ष विभिन्न कक्षाओं की

Scanned by CamScanner

विश्वविद्यालयी परीक्षाओं में महाविद्यालय में सर्वाधिक अंक पाने वाले तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं में विशिष्ट स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को अतिथियों ने सम्मानित किया। महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित शिक्षक शिक्षा के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल 'ज्ञान भव', चतुर्मासिक समाचार बुलेटिन ज्ञान दर्शन तथा वार्षिक पत्रिका 'ज्ञान पुष्प' का विमोचन सम्मानित अतिथियों ने किया। बीच–बीच में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने मनोरंजक तथा शिक्षाप्रद सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

विशिष्ट अतिथि डॉ० एस.के. वार्ष्णेय ने कहा कि महाविद्यालय की शोभा अच्छे विद्यार्थियों से होती है, अच्छे विद्यार्थियों से महाविद्यालय का गौरव बढ़ता है। उन्होंने कहा कि अच्छा स्वास्थ्य, अपने विषय का ज्ञान तथा सौम्य व्यवहार से व्यक्ति सफलता की चरम ऊँचाइयों तक पहुँचता है। मुख्य अतिथि डॉ० एस.एस. वर्मा ने महाविद्यालय के संस्थापक स्वर्गीय डॉ० ज्ञानेन्द्र गोयल जी को अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि शिक्षा राष्ट्र की धरोहर है, उन्होंने शिक्षकों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से कड़ी मेहनत करने की अपील की।

सचिव महोदय ने इस वर्ष का डॉ० वी.डी. गुप्ता मैमोरियल अवार्ड महाविद्यालय के बी.टी.सी. विभाग के अध्यक्ष एवं महाविद्यालय स्थित IGNOU के विशेष अध्ययन केन्द्र के समन्वयक श्री राम किशन शर्मा को दिया, साथ ही श्री राजपाल मैमोरियल अवार्ड तथा श्री महावीर सिंह मैमोरियल अवार्ड क्रमशः श्री सुमित सक्सैना एवं श्रीमती ओमवती को दिये। सचिव महोदय ने प्रबन्धक श्री मनोज यादव, उप प्राचार्य डॉ० एस.एस. यादव, डॉ० रेखा शर्मा, के साथ–साथ डॉ० ललित उपाध्याय, डॉ० विवेक मिश्रा, डॉ० हीरेश गोयल, डॉ० सोमवीर सिंह श्री पुष्पेन्द्र सिंह, कु० रितविजा मित्तल, श्रीमती शोभा सारस्वत आदि प्राध्यापक तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के श्री आर.सी. सक्सैना, सूरज वर्मा तथा राकेश के कार्यों की मुक्त कण्ठ से सराहना की और विद्यार्थियों को शुभकामनायें दीं। सभी उपस्थित व्यक्तियों ने एक साथ शाकाहारी भोजन का आनन्द लिया। मंच का संचालन श्रीमती शिवानी सारस्वत, डॉ० ललित उपाध्याय तथा डॉ० विवेक मिश्र ने आवश्यकतानुसार किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम श्रीमती मधु चाहर के निर्देशन में किये गये।

➢ **मातृ भाषा दिवस का आयोजन :** 21 फरवरी, 2015 को मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में बी.एड. विभाग में एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस परिचर्चा मे बी.एड. के विद्यार्थी विवेक कुमारी, अरविन्द कुमार, निर्मल कुमारी, रूचि केला, शशि प्रभा तथा ललित मोहन भारद्वाज आदि ने विभिन्न शैक्षिक आयोगों, जैसे कोठारी आयोग, विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग, 1986 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति व महात्मा गांधी (वर्धा आयोग) द्वारा मातृभाषा का महत्व व पाठ्यक्रम में आवश्यक सिफारिशों आदि पर प्रकाश डाला।

उप प्राचार्या डॉ० रेखा शर्मा, श्रीमती सरिता याजनिक, श्रीमती मधु चाहर, श्रीमती रंजना सिंह, श्रीमती शिवानी सारस्वत, सुश्री भावना सारस्वत, श्री लखमी चन्द, तथा कु. शालिनी शर्मा आदि प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों के कथन को सहयोग देते हुए मातृभाषा के संबंध में अपने–अपने विचार व्यक्त किये। प्राचार्य डॉ० वाई०के गुप्ता ने अपने कथन में विद्यार्थियों के प्रतिभाग की सराहना की। अन्त में साहित्यिक समिति की प्रभारी एवं आयोजन की संयोजिका श्रीमती आभाकृष्ण जौहरी ने प्राचार्य एवं प्राध्यापकों का आभार व्यक्त किया तथा विद्यार्थियों को शुभकामनायें दीं।

Scanned by CamScanner